डिजीटल पत्र
कांग्रेस दर्पण
दैनिक
पटना, 20 अप्रैल, गुरुवार, 2023

कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी भाड़ी बहुमत बहुमत की ओर

अपनी शक्ति और विवेक का इस्तेमाल जनता की भलाई के लिए करें: प्रियंका गांधी वाड्रा

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

आज यह बिलकिस बानो के साथ हुआ है, कल हम और आप हो सकते हैं। अपनी शक्ति और विवेक का इस्तेमाल जनता की भलाई के लिए करें। सुप्रीम कोर्ट की ये तल्ख टिप्पणी बताती है कि भाजपा सरकार जनता से मिली ताकत को जनता के ही खिलाफ इस्तेमाल कर रही है। एक गर्भवती महिला के साथ गैंगरेप, उसकी बच्ची समेत परिवार के सात लोगों की हत्या के जघन्य अपराध में सजा पा चुके अपराधियों को रिहा करना और अब सुप्रीम कोर्ट में भी उनके बचाव में उतरना अन्याय और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। प्रधानमंत्री जी लाल किले महिला सुरक्षा की बातें करते हैं, लेकिन असल में उनकी सरकार बलात्कार के दोषियों के साथ खड़े होकर महिलाओं के खिलाफ हिंसा और अपराध को प्रोत्साहित करती है।

जातीय जनगणना क्यों ज़रूरी है?

2021–22 में क्क्ळ और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में **SC, ST** और **OBC** के 70% पद ख़ाली

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपति पद पर **SC–1, ST–1** और **OBC–7**

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में रजिस्ट्रार पद पर र**C–2, ST–5** और **OBC–3**

क्या यही सामाजिक न्याय है?

भारत में पहली जनगणना 1881 में हुई थी। तब से हर दस साल में जनगणना कराई जाती थी। देश की आजादी के बाद 1951 तक अंतरिम सरकार थी, देश तमाम दुश्वारियों और चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन जनगणना नहीं रोकी गई। 1961 की जनगणना प्रक्रिया के बीच भारत–चीन युद्ध हुआ, लेकिन जनगणना का कार्य नहीं रोका गया। 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ, फिर भी जनगणना नहीं रोकी गई। कैसा भी वक्त रहा हो, देश में ऐसा कभी नहीं हुआ कि जनगणना रोकी गई हो। सटीक जनसंख्या का पता चलने पर अतीत का मूल्यांकन, वर्तमान का सटीक वर्णन और भविष्य का अनुमान लगाकर नीतियां बनाना होता है, इसीलिए इस काम को हमेशा पहली प्राथमिकता पर रखा गया।

यह पहली बार है जब 2021 की जनगणना का काम 2023 तक रुका हुआ है। सरकार इसकी तारीख पांच बार बढ़ा चुकी है और फिलहाल जनगणना का कार्य शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी सरकार देश के संसाधनों को लूटने के साथ–साथ देश के आंकड़ों में भी भ्रष्टाचार कर रही है। पूरे देश में ओबीसी, दलित और आदिवासी तबके में हिस्सेदारी की बढ़ती मांग को देखते हुए भाजपा सरकार जनगणना ही नहीं करा रही है।

पुलमावा के गुनहगार, मोदी सरकार : कांग्रेस

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

पुलवामा हमले में सरकार के नाकामियों के संबंध में जम्मू कश्मीर के तत्कालीन गवर्नर सत्यपाल मलिक के सनसनीखेज खुलासे के चार दिन हो चुके है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, अजीत डोभाल, मोदी मंत्रिमंडल के कोई सदस्य , भाजपा नेता,का इस संबंध में कोई बयान नहीं आने से देशवासी आश्चर्य चकित है।

आज गया रेलवे स्टेशन परिसर में पुलवामा हमले के गुनाहगार, मोदी सरकार जवाब दो के नारो को बुलंद करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कांग्रेस पार्टी के नेताओ, कार्यकर्ताओं ने किया।

प्रदर्शन में शामिल बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह क्षेत्रीय प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिठू, पूर्व विधायक मो खान अली, जिला उपाध्यक्ष राम प्रमोद सिंह, बाबूलाल प्रसाद सिंह, शिव कुमार चौरसिया, उदय शंकर पालित, दामोदर गोस्वामी, डा गगन मिश्रा, नारायण कुमार सिंह, श्रवण पासवान, सोमनाथ पासवान, विनोद उपाध्याय,मो समद, असरफ इमाम, मौलाना आफताब खान, सुरेंद्र मांझी, रामसेवक प्रसाद कुशवाहा, टिंकू गिरी, सैयद अहमद, आदि ने कहा की आज देश जानना चाहती है कि पुलवामा हमला के बारे में जब महीनो पहले इंटेलिजेंस का इनपुट पहले से था, सी आर पी एफ के वरीय अधिकारियों द्वारा लगातार जवानों के लिए हवाई जहाज की मांग को सरकार क्यों नजरंदाज किया, पंद्रह दिनों तक 300 किलोग्राम आर डी एक्स लेकर कार कैसे घूमते रहा आदि कई बातो की जम्मू कश्मीर के तत्कालीन गवर्नर रहे सत्यपाल मलिक जी सनसनी खेज खुलासे पर मोदी सरकार चुप्पी साधे हुए है, जिस पर मोदी सरकार को अविलंब जवाब देते हुए श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

नेताओ ने कहा की कांग्रेस पार्टी इस संवेदनशील मुद्दे को आम जन में पहुंचाने हेतु सभी सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शन कर बताने का काम कर रही है।

नेताओ ने देशभर के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया को इस प्रकरण का पर्दाफाश करने की नितांत आवश्यकता बताया, ताकि देश की एकता, अखंडता, सीमाओं की रक्षा करने वाले जांबाज सपूतों की आत्मा को शांति मिलने के साथ, साथ उनके परिवार को संतुष्टि मिलेगी।

भवदीय
विजय कुमार मिठू

आज बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय , सदाकत आश्रम में रमज़ान के पावन अवसर पर आयोजित दावत – ए – इफ्तार में सूबे बिहार के मुख्यमंत्री श्री Nitish Kumar जी, उप मुख्यमंत्री श्री Tejashwi Yadav जी शरीक होकर देश एवं राज्य की उन्नति एवं आपसी भाईचारे के लिए दुआ कि।

क्यों नहीं हम चीन को मुंहतोड़ जवाब देते

संवाददाता। कांग्रेस दर्पण

सीमा पर चीन की दादागिरी की खबरें सुन-सुनकर जनता ऊब चुकी है। अभी हाल ही में उसने अरुणाचल प्रदेश के 11 स्थानों का नाम बदल दिया। इससे पहले उसने अरुणाचल प्रदेश में ही अपने दो गांव बसा लिए थे। साफ है, चीन मनबढ़ होता जा रहा है, लेकिन उसे सबक सिखाने की मंशा हमारी सरकार में नहीं दिखती। ऐसा लगता है कि हमारे पास चीन से निपटने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। हमारी इसी कमजोरी का फायदा वह उठाता रहा है। ऐसे में, जरूरी यही है कि चीन के दुस्साहस का भारत सरकार मुंहतोड़ जवाब दे, ताकि भारतीय सीमा की तरफ देखने से पहले उसे सौ बार सोचना पड़े। मगर व्यापक रणनीति और सैन्य कार्रवाई की क्षमता का अभाव हमारी सरकार को आगे बढ़ने से रोक रहा है। यह स्थिति देश की संप्रभुता के लिए खतरनाक है। चीन पर इस कमजोर रुख से वैश्विक स्तर पर भारत की छवि कमजोर हो रही है।

नीतिगत चूक का नतीजा

चीन के विदेश मंत्रालय का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश उसका हिस्सा है, इसलिए नाम बदलने का उसे पूरा हक है। मगर सवाल यह है कि ऐसी नौबत आखिर आई क्यों? इसे समझने के लिए चीन और अमेरिका के रिश्ते को समझना चाहिए। दरअसल, चीन को जब आजादी मिली थी, उस समय वहां की ज्यादातर जनता नशे में डूबी हुई होती थी। जापान ने उनके साथ इतने ज्यादा जुल्म किए थे कि आज भी उसे पढ़कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। दुनिया इसे 'सेंचुरी ऑफ ह्यूमिलीएशन' के नाम से जानती है।

मगर आज यह देश अमेरिका के सामने एक महाशक्ति के तौर पर खड़ा है, क्योंकि इसने अपनी नीति और सोच अमेरिका जैसी महाशक्ति को सामने रखकर तैयार की। देखा जाए, तो चीन को यहां तक पहुंचाने में अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन का बहुत बड़ा हाथ है।

उन्होंने ही चीन को संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सदस्यता दिलाई, साथ ही अमेरिकी कंपनियों को चीन में निवेश और तकनीक हस्तांतरण का मौका दिया। इस सबने चीन की उड़ान को काफी तेज कर दी। इसके विपरीत, हमने अपनी सारी नीति पाकिस्तान को सामने रखकर तैयार की, क्योंकि उसे ही हम अपना सबसे बड़ा दुश्मन समझते रहे हैं, जबकि हमारा सबसे बड़ा दुश्मन चीन है और आगे भी वही रहेगा। नतीजतन, हमने उसको लेकर न कोई नीति बनाई और न कोई योजना। अब भारत-चीन सीमा पर जो कुछ हो रहा है, यह सब उसी का नतीजा है।

✍ इंजीनियर गौरव
बेगूसराय, बिहार

खगड़िया समाहरणालय के समक्ष जनसभा एवं घेराव

संवाददाता। कांग्रेस दर्पण

19 अप्रैल 2023 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान संविधान की रक्षा एवं लोकतंत्र को बचाने हेतु जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत खगड़िया जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा खगड़िया समाहरणालय के समक्ष जनसभा एवं घेराव जिला अध्यक्ष कुमार भानु प्रताप उर्फ गुड्डू पासवान के नेतृत्व नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। अपने संबोधन में जिला अध्यक्ष गुड्डू पासवान ने कहा कि संविधान की रक्षा एवं लोकतंत्र बचाने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन में देश भर में सत्याग्रह के माध्यम से जनसभा, घेराव एवं प्रदर्शन के माध्यम से देश में लोक संवाद कर रहे हैं। मानवीय संवेदनाओं को आहत करती बेरोजगारी, आर्थिक बोझ से लदे आम लोगों की पीड़ाएं पहुंचाने वाली कमरतोड़ महंगाई, सत्ता के ओहदेदारों द्वारा हो रहे भ्रष्टाचार पर पर्दा डाले रहने तथा सत्ता के अहंकार से अंधी बनी सरकार की तानाशाही, अडानी जैसे धनकुबेर के बारे में संसद में तथ्यपूर्ण सत्य बोलने पर पाबंदी, किसानों की न्यायोचित मांगों और समस्यायों को सुनने, स्वीकारने एवं समाधान का रास्ता नहीं निकालकर उनके प्रति दमनकारी नीति अपनाने,कई सरकारी उपक्रमों का निजीकरण कर खास लोगों को फायदा पहुंचाने की दुर्नीति और शिक्षा के आधुनिकीकरण के नाम पर इतिहास के गौरवपूर्ण अध्यायों को समाप्त करने की साज़िश, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की एक साजिश के तहत सांसद की सदस्यता को असमय खत्म करने और आवास तक खाली कराने जैसी कुकृत्य कर अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगाने जैसी आदि मुद्दों को अपने सत्याग्रह के माध्यम से सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में कांग्रेस पार्टी शांतिपूर्ण सत्याग्रह जारी रखेंगी इस सत्याग्रह में आम जनता का सहयोग अपेक्षित सहयोग मिल रहा है और इसमें मजबूती के साथ ताकत लगाने की जरूरत है। सत्याग्रह में उपस्थित खगड़िया के कांग्रेस सदर विधायक छत्रपति यादव ने कहा कि आज देश गंभीर दौर से गुजर रहा है देश में मोदी सरकार की दमनकारी नीतियों एवं तानाशाही रवैया के कारण विपक्ष के विरोध के स्वर दबाने का काम किया जा रहा है जो देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। जनहित के मुद्दे पर जनता की आवाज को उठाने वाले राहुल गांधी को एक साजिश के तहत फंसाये जाने एवं संसद की सदस्यता रद्द करवाई गई। देश में नफ़रत का माहौल पैदा कर सत्ता पर काबिज रहना चाहती है। देश में महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है इस सरकार को उखाड़ फेंकने की जरूरत है। उक्त मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुजय कुमार, जिला उपाध्यक्ष कुमोद कुमार सिंह, बुद्धदेव प्रसाद यादव, कुंदन कुमार सिन्हा, प्रो आनंद कुमार, सुर्यनारायण वर्मा, प्रीति वर्मा, गायत्री भारती, बबीता कुमारी, विनोद मालाकार, कापरेटिव चेयरमैन सह कांग्रेस नेता अखिलेश कुमार विधार्थी, जिला प्रवक्ता सह मीडिया अरुण कुमार अधिवक्ता, कांग्रेस महासचिव मनोज कुमार मिश्र, रामचंद्र यादव, फिरोज आलम, जिला सचिव राजीव उर्फ गुड्डू, एन एस यू आइ प्रदेश महासचिव नवीन यादव, सुभाष रत्न, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव ईशरत प्रवीण, लाली किन्नर, जय भारत सत्याग्रह के जिला संयोजक सुनील कुमार झा, एससी/ एसटी जिला अध्यक्ष अविनाश कुमार अविनाश, शिक्षक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अरुण कुमार, गजेन्द्र सिंह, जय प्रकाश सिंह, मनोज चौधरी, राजीव कुमार रंजन, सुनील कुमार सिंह, रौशन चन्द्रवंशी, संतोष चन्द्रवंशी, धीरेन्द्र सिंह, प्रवीण कुमार पंकज, प्रतिभा कुमारी, सुरेश सदा, फुलचंद यादव आदि उपस्थित थे।

बिहार प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष एवम MLC श्री समीर सिह, जमालपुर विधायक श्री अजय कुमार सिंह,बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल के भूतपूर्व महासचिव ब्रह्म देव चौरसिया,जिला अध्यक्ष राजकुमार मंडल, धरहरा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष द्वारा डीएम कि अनुपस्थिति में एडीएम मुंगेर को केन्द्रीय सरकार के विरुद्ध स्मारपत्र दिया गया

रमजान के पवित्र अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय , सदाकत आश्रम में आयोजित दावत - ए - इफ्तार में शामिल हुए बिहार विधानसभा के सम्मानित अध्यक्ष श्री अवधबिहारी चौधरी जी।

ऐसे थे हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री चाचा नेहरू आज के जुमलेबाज नेताओं को इनसे सीख लेने की जरूरत है

अजित कुमार सिन्हा
अध्यक्ष, प्रखंड कांग्रेस कमिटी
मीनापुर, मुजफ्फरपुर, बिहार

संवाददाता। कांग्रेस दर्पण

जब जवाहरलाल नेहरू ने 3 सितंबर 1946 को अंतरिम सरकार में शामिल होने का फैसला किया तो उन्होंने आनंद भवन को छोड़ कर अपनी सारी संपत्ति देश को दान कर दी.नेहरू को पैसे से कोई खास लगाव नहीं था. उनके सचिव रहे एम ओ मथाई अपनी किताब रेमिनिसेंसेज़ ऑफ़ नेहरू एज में लिखते हैं कि 1946 के शुरू में उनकी जेब में हमेशा 200 रुपए होते थे, लेकिन जल्द ही यह पैसे ख़त्म हो जाते थे क्योंकि नेहरू यह रुपए जरूरतमंदो में बांट देते थे.

ख़त्म हो जाने पर वह और पैसे मांगते थे. इस सबसे परेशान हो कर मथाई ने उनकी जेब में रुपए रखवाने ही बंद कर दिए,लेकिन नेहरू की भलमनसाहत इस पर भी नहीं रुकी. वह लोगों को देने के लिए अपने सुरक्षा अधिकारी से पैसे उधार लेने लगे '

मथाई ने एक दिन सभी सुरक्षा अधिकारियों का आगाह किया कि वह नेहरू को एक बार में दस रुपए से ज़्यादा उधार न दें,मथाई नेहरू की इस आदत से इतने आजिज़ आ गए कि उन्होंने बाद में प्रधानमंत्री सहायता कोष से कुछ पैसे निकलवा कर उनके निजी सचिव के पास रखवाना शुरू कर दिए ताकि नेहरू की पूरी तनख़्वाह लोगों को देने में ही न खर्च हो जाए '

जहाँ तक सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी का सवाल है जवाहरलाल नेहरू का कोई सानी नहीं था.

जाने-माने पत्रकार कुलदीप नय्यर ने एक ऐसी बात बताई जिसकी आज के युग में कल्पना नहीं की जा सकती. कुलदीप ने कुछ समय के लिए नेहरू के सूचना अधिकारी के तौर पर काम किया था ' नेहरू की बहन विजय लक्ष्मी पंडित के शौक बहुत ख़र्चीले थे. एक बार वह शिमला के सर्किट हाउस में ठहरीं. वहाँ रहने का बिल 2500 रुपए आया,वह बिल का भुगतान किए बिना वहाँ से चली आईं. तब हिमाचल प्रदेश नहीं बना था और शिमला पंजाब का हिस्सा होता था. तब भीमसेन सच्चर पंजाब के मुख्यमंत्री होते थे.उनके पास राज्यपाल चंदूलाल त्रिवेदी का पत्र आया कि 2500 रुपये की राशि को राज्य सरकार के विभिन्न खर्चों के तहत दिखला दिया जाए.

सच्चर के गले यह बात नहीं उतरी.उन्होंने विजय लक्ष्मी पंडित से तो कुछ नहीं कहा लेकिन झिझकते हुए नेहरू को पत्र लिख डाला कि वही बताएं कि इस पैसे का हिसाब किस मद में डाला जाए.

नेहरू ने तुरंत जवाब दिया कि इस बिल का भुगतान वह स्वयं करेंगे.उन्होंने यह भी लिखा कि वह एक मुश्त इतने पैसे नहीं दे सकते इसलिए वह पंजाब सरकार को पांच किश्तों में यह राशि चुकाएंगे , नेहरू ने अपने निजी बैंक खाते से लगातार पांच महीनों तक पंजाब सरकार के पक्ष में पांच सौ रुपए के चेक काटे....

जय हिंद जय भारत जय किसान जय कांग्रेस

कांग्रेस ने लांख प्रकरण मे कार्यवाही की मांग उठाई, पीडित परिवार को मिले न्याय- दीपक सैनी

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

चार दिन पूर्व जनपद के गांव लांख मे दबंगों के द्वारा पीडित कुलदीप मलिक पुत्र ऋषिपाल मलिक को उसके खेत में गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया गया था। परिजनों को आता देख आरोपी भाग खडे हुए थे।पीडित को आनन मे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां से गंभीर हालत में बोहरा नर्सिंग होम में रेफर कर दिया गया था। पीडित के परिजनों का आरोप है कि दबंगों ने पुलिस की मिली भगत के चलते मामले को दूसरा रूप दिये जाने का काम किया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारी सत्ता पक्ष के नेताओं के दबाव में आकर दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। प्रकरण की सूचना मिलने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक सैनी, यूवा प्रदेश महासचिव अशवनी शर्मा, बागपत यूवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष निशांत तोमर व जिला महासचिव यूवा रुपक तोमर आदेश कुमार ,ने हॉस्पिटल पहुंचकर पीडित परिवार से वार्ता कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक सैनी ने बताया कि पीडित परिवार के द्वारा बताया गया कि स्थानीय प्रशासन सत्ता पक्ष के नेताओं के दबाव में आकर दोषियों के विरुद्ध कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर रहा है। मामले को लेकर एसपी शामली से मिलकर कार्यवाही की मांग की गई थी लेकिन ठोस आश्वासन नहीं मिला।दबंगों के द्वारा पीडित पक्ष के ऊपर फैसला कर लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। आरोपी दिल्ली पुलिस मे है पूरी पठकथा लिखने के बाद घटना को अंजाम दिया गया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक सैनी ने कहा कि मामले को लेकर जल्द ही एसपी शामली से मिलेंगे।हमें स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर पर पूर्ण विश्वास है। पीडित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा।प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक सैनी, यूवा प्रदेश महासचिव अशवनी शर्मा, बागपत यूवा जिला अध्यक्ष निशांत तोमर, रुपक तोमर, महावीर सैनी, रिजवान आदि रहे।

कांग्रेस शामली जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में मरीज से मिले कांग्रेसी, मदद का दिया आश्वासन।

लहेरियासराय समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

दरभंगाः19, अप्रैल। केंद्र की मोदी सरकार की तानाशाही, अदानी प्रकरण पर जेपीसी गठन, प्रधानमंत्री मोदी के खास रहे राज्यपाल सत्यपाल मलिक द्वारा पुलवामा हमले पर किए गए सनसनीखेज खुलासे एवं राहुल गांधीजी की संसद सदस्यता खत्म किए जाने सहित अन्य कई गंभीर मुद्दों को लेकर ज़िला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'जय भारत सत्याग्रह' आंदोलन के तहत बुधवार को लहेरियासराय समाहरणालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन बलभद्रपुर ज़िला कांग्रेस कार्यालय से निकाला गया। जिसमे हजारों की संख्या मे कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हुए समाहरणालय के समक्ष पहुंचकर मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी किया। प्रर्दशन के उपरांत एक सभा का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीताराम चौधरी ने मोदी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि देश मे हम दो हमारे दो की सरकार चल रही है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार पर जो अभी उनके सबसे निकट रहे राज्यपाल सत्यपाल मलिक द्वारा पुलवामा हमले पर जो सनसनीखेज खुलासा किया है इससे साबित होता है कि प्रधानमंत्री मोदी 2019 का संसदीय चुनाव को प्रभावित करने के लिए अपने ही जवानों की बलि दे दी। नेताओं ने यह भी कहा कि जिस तरह से देश मे लूटतंत्र चल रहा है देश की सारी संपत्ति अदानी को दिया जा रहा है नेताओ

ने कहा कि राहुल गांधी जी जब संसद मे अदानी घोटाले पर जेपीसी गठन की मांग किया तो उनकी सदस्यता को ख़त्म करवा दिया गया। उन्हें घर से बाहर करवा दिया गया। मोदी सरकार संसद मे बिना बहस करवाए सारे बिल को नाजायज तरीके से पास करवा रही है,ये पुरी तरह से लोकतंत्र के खिलाफ है।पूर्व मेयर सह पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अजय कुमार जालान, ज़िला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता मो.असलम, एआईसीसी सदस्य अरविंद चौधरी, प्रदेश प्रतिनिधि श्रीमती प्रतिभा सिंह, बेनीपुर विधानसभा पूर्व प्रत्याशी मिथिलेश चौधरी, सीपीएम नेता गोपाल ठाकुर, रामपुकार चौधरी, गणेश चौधरी, रियाज़ अली खां, भूषण आजाद आदि नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार पर धर्म के नाम पर देश मे अराजकता फैलाने व देश का माहौल खराब करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जैसे -जैसे प्रधानमंत्री के कारनामों का खुलासा हो रहा है वैसे - वैसे मोदी - मीडिया लोगों का ध्यान भटकाने के लिए युपी मे एक समुदाय पर हो रहे फर्जी इनकाउंटर एवं पुलिस सरंक्षण मे गोली मरवा कर पुरे देश के माहौल को दूषित करने का गंभीर आरोप लगाया। है।

सभा को प्रमानंद झा, रतिकांत झा, दयानन्द पासवान, शुशील कुमार सिंह, मनोज मिश्र, शिव कुमार ठाकुर, नसीम हैदर, प्रो. खादिम हुसैन, गोपाल कुमार झा, नारायण जी झा, रमणजी झा, मनोरंजन झा, उदितनारायण चौधरी, जयशंकर प्रसाद चौधरी, लूतफुर रहमान दावर, देवकीनंदन ठाकुर , अनसार हसन, सुनील कुमार सिंह, राजा अंसारी, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सुधीर पांडे, संगीत शाह, सरफराज अनवर, रिंकू अंसारी, विवेकानंद चौधरी, धनंजय सिंह, प्रो. शिवनारायण पासवान, दिलीप कुमार चौधरी, हसमत अंसारी, प्रो.मिथिलेश यादव, भागीरथी देवी, पप्पू मिश्र, वसंत झा आदि ने भी संबोधित किया।

भवदीयः
मो. असलम
ज़िला कांग्रेस प्रवक्ता दरभंगा।

चुनाव के समय गोरक्षा अभियान! चुनाव बाद गौ मांस निर्यात अभियान!!

संवाददाता।कांग्रेस दर्पण

भारत देश में दूध के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।केंद्र की मोदी सरकार लमपी वायरस से 1,86,000 पशुओं की मौत वजह बता रहा है।

जनता में दूध की मांग बढ़ रही है, खुश करने के लिए मोदी सरकार ने गोदी मीडिया के माध्यम से प्रचार करवाई---जरूरत हुई तो दूध उत्पादों- खासकर घी और मक्खन का आयात किया जाएगा।

कांग्रेस के नेताओं ने जब इसका विरोध किया।

दुग्ध उत्पादन किसानों का बड़ा अहित होगा।

क्योंकि दाम गिर जाएंगे।

उधर सरकार की दुविधा यह है कि आम चुनाव आ रहे हैं।महंगाई दर्शाने वाले उपभोक्ता सूचकांक में दूध और दूध के उत्पादों का वजन 6.61% है।

यानी अगर कीमतें और बढी तो महंगाई मध्यमवर्ग को नाराज करेगी।

लेकिन अगर दूध की कमी और उत्पादन लागत बढ़ाने से कीमती और ऊपर गई तो इसे रोकने के लिए आयात करना ही एकमात्र रास्ता होगा।

दरअसल देश में डेयरी उद्योग को लेकर दीर्घकालीन योजना ना होना एक कारण है। शहरीकरण और गांव में भी बढ़ती जनसंख्या के कारण कृषि भूमि पर दबाव और चरागाह खत्म होने लगे हैं।

ऐसा भी हम मान सकते हैं किसान की आमदनी जहां खेती से लगातार घटकर 37% रह गई है।

और मजदूरी से बढ़कर 40% पहुंच गई है।

वही पशुपालन एक आशा की किरण है, जिससे वह आय का 16% हासिल करता है।

भारत आज दूध की दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक होते हुए भी आयात करने को मजबूर इसलिए है कि गौ संवर्धन की लचर नीति मोदी ने अपना रखी है।

उधर,यूएसडीए की विदेशी कृषि सेवा के आंकड़े के मुताबिक 2023 के अंत तक भारत-ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ते हुए 15 लाख मैट्रिक टन मांस का निर्यात करेगा।

पिछले 3 साल में भारत में 6.5 लाख मैट्रिक टन से छलांग लगाकर बीफ निर्यात में नंबर वन पर आ गया।

यूपी चुनाव के पहले गौ रक्षा अभियान बड़े जोर-शोर से चलाया जाता रहा।

और आज यूपी गौ मांस निर्यातक राज्यों में पहले नंबर पर विराजमान है।

क्योंकि गो निर्यात में कोई और नहीं लगे हुए हैं, जो भी लगे हुए हैं वह भाजपा के उसमें बड़े-बड़े बियरर लगे हुए हैं-

-- रणजीत कुमार मुखपूर्व जिला सचिव बेगूसराय कांग्रेस कमेटी

धनबाद जिला कांग्रेस के द्वारा उपायुक्त कार्यालय का घेराव

संवाददाता।कांग्रेस दर्पण

आज आज धनबाद जिला कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में उपायुक्त धनबाद के कार्यालय का कांग्रेसियों के द्वारा घेराव किया गया आयुक्त कार्यालय का घेराव करने का एक ही मकसद है कि देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है और केंद्र सरकार कान में तेल डाल कर सोई हुई है लोकतंत्र की फिर से बहाली हो महंगाई बेरोजगारी से जनता को निजात दिलाया जाए और देश की सभी विपक्षी पार्टियों पर जिस तरह से केंद्र सरकार ईडी सीबीआई और इनकम टैक्स का दुरुपयोग कर रही है उस पर रोक लगाया जाए

जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि देश में जब तक लोकतंत्र को फिर से कांग्रेस पार्टी बहालनहीं कराती है तब तक कांग्रेस पार्टी सड़क से लेकर संसद तक लड़ाई लड़ती रहेगी देश में अराजकता की स्थिति हो गई है जनता को कोई सुविधा नहीं मिल रही है लेकिन टैक्स पर टैक्स केन्द्र सरकार के द्वारा लगाई जा रही है

प्रदेश कांग्रेस के अनुशासन समिति के अध्यक्ष ब्रजेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा जनता त्रस्त है और मोदी सरकार मस्त है देश में करोड़ों करोड़ों युवा बेरोजगार हैं हर साल 2 करोड नौकरी देने का वादा किया था लेकिन 9 साल में दो करोड़ भी नौकरी नहीं दिया काला धन नहीं लाए बेरोजगारी समाप्त नहीं किए भ्रष्टाचार नहीं मिटा और उसके बाद भी केंद्र सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है जिस तरह से आए दिन लोकतंत्र की धज्जियां उड़ रही है कांग्रेस पार्टी फिर से लोकतंत्र स्थापित करने में सफल होगी कार्यक्रम को कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी नवनीत नीरज लक्ष्मण तिवारी जोगिंदर सिंह जोगी वैभव सिन्हा सत्यपाल सिंह ब्रो का अच्छेवर प्रसाद संजय जयसवाल माला झा बाबू अंसारी इरफान खान चौधरी युवा कांग्रेस अध्यक्ष कुमार गौरव प्रसाद निधि बबलू दास मंटू दास मनोज सिंह मनोज यादव रमेश राय सहित हजारों कार्यकर्ता उपायुक्त कार्यालय धनबाद का घेराव किया

" जय भारत सत्याग्रह " अभियान के तहत आज वैशाली जिला कांग्रेस कमिटी के व्दारा जिलास्तरीय सभा एवं धरना का आयोजन जिलाध्यक्ष महेश राय जी की अध्यक्षता मे हुआ। इसमे प्रभारी पूनम पासवान जी, वीणा शाही, धर्मवीर शुक्ल, मनोज शुक्ल एवं अन्य सैकड़ो कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता सम्मिलित हुए मंच संचालन महासचिव युवराज सुनिल सिंह ने किया

कुर्था विधानसभा क्षेत्र के चमंडी गांव में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के जयंती के उपलक्ष में तीन दिवसीय मेला के मंच पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के विचारों को जन जन तक पहुंचाने एवं उनके बताए रास्ते पर चलने के लिए लोगों से अपील करते कांग्रेस नेता राम विनय सिंह यादव, रामदेव यादव, डोमन दास जी रंजीत तिवारी जी, अजय राम जी,रंजन यादव एवं बहुत सारे अंबेडकर जी के विचार को मानने वाले साथीयों एवं विभिन्न राजनीतिक दल के नेता गाने

कांग्रेस प्रत्याशी रहे महेंद्र सिंह रलावता का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मना

संवाददाता ।कांग्रेस दर्पण

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य, एवम पूर्व प्रदेश सचिव, अजमेर उत्तर विधानसभा कॉन्ग्रेस प्रत्याशी रहे महेंद्र सिंह रलावता का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पीयूष सुराणा ने बताया की आज दिनांक 19/04/2023 को गोविंदम गार्डन रिजॉर्ट वैशाली नगर अजमेर में जन जन के लाडले प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवम अजमेर उत्तर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी रहे महेंद्र सिंह रलावता का जन्मदिन मनाया गया। अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के अलग अलग क्षेत्रों से आए आमजन कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारीगणो ने 51–51 किलो की पुष्प माला पहनाकर, साफा बंधवाकर जन्मदिन की बधाई दी। करीब 3 से 4 हजार लोग इस जन्मदिन के कार्यक्रम में आए। इस दौरान सोशल मीडिया विभाग प्रदेश कॉर्डिनेटर अनुपम शर्मा,नेता प्रतिपक्ष द्रोपदी कोली,सेवादल देहात अध्यक्ष जयशंकर चौधरी,अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया विभाग जिला अध्यक्ष पीयूष सुराणा,देहात सोशल मीडिया अध्यक्ष प्रेम सिंह गौड़,रागिनी चतुर्वेदी,मंजू बलाई,पार्षद नितिन जैन,लक्ष्मी बुंदेल,हेमंत जोधा,गजेंद्र सिंह रलावता,कपिल

सारस्वत,नौरत गुर्जर,सर्वेश्वर पारीक,बीना टाक,संपत कोठारी,शैलेंद्र अग्रवाल,गुलाम मुस्तफा,डीसीसी सदस्य दिलीप सामनानी,अतुल अग्रवाल,राकेश पंवार,इकबाल खान,हाथीखेड़ा उपसरपंच रामदेव रावत, जितेंद्र कुमार चौधरी,उमेश सोनी,हरकेश जगरवाल,शक्ति सिंह रलावता,पप्पू कुरेशी,महेंद्र कुमार जोशी,दीपक पंजवानी,देवदास वैष्णव,पवन रावत,मोहसिन खान,आरीफ खान,नरेश सोलीवाल,कमल कृपलानी,करण सामनानी,हरी सेन,हरिप्रसाद जाटव,राजेंद्र नरचल,नमन जैन,हिमांशु गर्ग,हनुमान शर्मा,रुस्तम घोसी,इंद्र कुमार,चितलेष बंसल,गौरव झालीवाल,अंकित जैन,कैलाश जगरवाल,चंद्रप्रकाश चौरसिया,गुरप्रीत सिंह,श्रेयांस,महेंद्र जोधा,विवेक कड़वा, एवम हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता,पदाधिकारी एवम् आमजन ने माला पहनाकर,साफा बंधवाकर, महेंद्र सिंह रलावता का भव्य स्वागत किया।

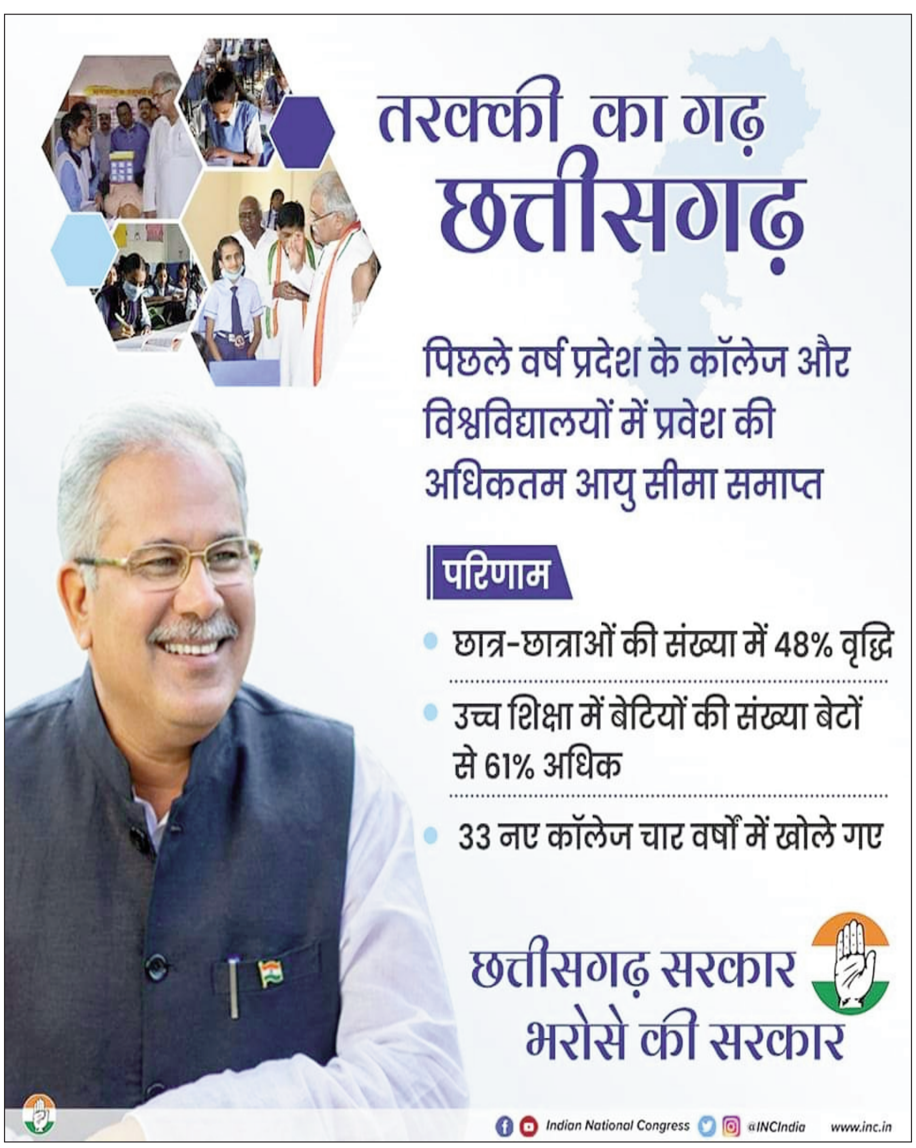

कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी भारी बहुमत बहुमत की ओर

इंजीनियर मोहिउद्दीन खान
संवाददाता।कांग्रेस दर्पण

,कर्नाटक विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा हो चुकी है साथ ही राज्य में चुनावी बिगुल भी बज गया है। चुनाव आयोग ने कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान 10 मई को किया है और एक ही चरण में मतदान होगा और परिणाम 13 मई को जारी किए जाएंगे। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की सत्ता में वापसी के लिए पीएम मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह समेत पार्टी के कई लोग राज्य के दौरे पर रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी ने सत्ता पर काबिज होने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है. राज्य में जनता दल (सेक्युलर) तीसरी प्रमुख पार्टी है। इस चुनावी माहौल में राज्य की जनता के मन में क्या है, इसे जानने के लिए एक प्रसिद्ध टीवी न्यूज चैनल द्वारा सी वोटर के साथ किया गया एक ओपिनियन पोल सामने आया है। इसमें 24 हजार 759 लोगों की राय ली गई है। ओपिनियन पोल कर्नाटक में सभी सीटों पर किया गया है। इस सर्वे में कर्नाटक में कांग्रेस को बहुमत मिलने की संभावना जताई गई है। सर्वे के अनुसार, कांग्रेस की 145-150 सीटें और कुल वोट शेयर का 45.1% हासिल करने की संभावना है। बीजेपी को 32.7% वोट शेयर के साथ 50 से 60 सीटें मिलती दिख रही हैं जबकि जेडीएस को 14.9% के वोट शेयर के साथ 20-25 सीटें मिलने का अनुमान है। अन्य दलों को 9.3% वोट शेयर और अन्य को 0-2 सीटें मिलने की उम्मीद है।कर्नाटक के पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 38 प्रतिशत वोट शेयर मिला था. सर्वे के अनुसार इस बार कांग्रेस के वोट शेयर में 7 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो सकती है।

सर्वे में लोगों से कनार्टक की मौजूदा सरकार के कामकाज को लेकर भी सवाल किया गया. जिसमें ज्यादातर लोग मौजूदा सरकार से असंतुष्ट नजर आए. करीब 60 प्रतिशत लोगों ने सरकार का कामकाज खराब बताया. 18 प्रतिशत ने सरकार के काम को अच्छा बताया और 22 प्रतिशत ने इसे औसत माना।सर्वे में ये जानने की कोशिश की गई कि इस बार के चुनाव में कौन से मुद्दे प्रभावी होंगे. ओपनियन पोल में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, कोरोना, बिजली, पानी जैसे मुद्दे जनता के सामने रखे गए थे. सर्वे में लोगों ने 29.1 प्रतिशत वोट के साथ बेरोजगारी को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक माना. जबकि 21.5 प्रतिशत लोगों ने बिजली, सड़क और पानी के मुद्दे को बड़ा मुद्दा बताया।

सर्वे में 19 प्रतिशत लोगों ने शिक्षा सुविधाओं, 2.9 प्रतिशत ने कानून और व्यवस्था, महिला सुरक्षा, 12.7 प्रतिशत ने सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार को, 4 प्रतिशत लोगों ने कोरोना महामारी के मुद्दे को, 3.5 प्रतिशत ने किसानों से संबंधित मुद्दे को, 1.2 प्रतिशत लोगों ने राष्ट्रवाद के मुद्दे को बड़ा बताया. पोल में हिस्सा लेने वाले 6.1 प्रतिशत लोगों ने अन्य मुद्दों को बड़ा बताया.

प्रिय साथियों !

वरिष्ठ भाजपा नेता और जम्मू कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल श्री सत्यपाल मलिक जी ने पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को 40 सैनिकों की शहादत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं !

राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्रीनिवास बीवी जी एवं प्रदेश प्रभारी आदरणीय राजेश कुमार सन्नी जी ने उन 40 शहीद जवानों की याद में सभी विधानसभा अध्यक्ष को अपने विधानसभा में निम्नलिखित कार्यक्रम दिनांक 24 अप्रैल 2023 तक करने के निर्देश दिए हैंः

१. मशाल जुलूस
२. कैंडल मार्च
३. मोदी सरकार के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन

तमाम प्रदेश पदाधिकारी अपने प्रभार क्षेत्र में कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित करें !

साभार
शिव प्रकाश गरीबदास
अध्यक्ष
बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस